परिशिष्ट संख्या - १. Appendix - 1

प्रश्नावली

१. क्या निरालाजी अपनी शैशव अवस्था से शैशव अवस्था से संतुष्ट थे ?

२. क्या निरालाजी अपनी युवावस्था में अपने अतीत और वर्तमान जीवन से संतुष्ट थे ?

३. क्या निरालाजी अपनी अंतिम अवस्था में अपने अतीत और वर्तमान जीवन से संतुष्ट थे ?

४. क्या निरालाजी अपने भविष्य के,प्रति सदैव आस्थावान थे ? यदि सदैव नहीं तो किस अवस्था या किन अवस्थाओं में उन्होंने अपने भविष्य के प्रति आस्था दिखायी ?

५. निरालाजी ने किस महिला को प्रथम बार -
(श्रध्दा-भाव, प्रेम-भाव, मित्र-भाव, वात्सल्य-भाव) से देखा ?

६. निरालाजी ने इन भावों समेत किसी एक या एक से अधिक महिला देखा था क्या ?

७. यदि हां, तो उक्त भावों में से कौनसे भाव किन-किन और कितनी महिलाओं में देखे ?
भाव ----महिला-संख्या---ज्ञातव्य नाम --परिवार में संबंधित---- परिवारेतर.

८. समाज द्वारा वर्जित परंतु मानव-प्रकृति के लिये सहज ऐसे निरालाजी के नारी-काम-संबंध संबंधों के विषाय में यदि आपको कोई जानकारी हो तो कृपया संक्षेप में उल्लेख करें .

९. काम और प्रेम के तत्व निरालाजी के व्यक्तित्व में तुल्यबल थे या अतुल्यबल ?

१०. क्या निरालाजी द्वारा मान्य नैतिक-मूल्यों का आधार मुख्यत: सामाजिक नीति - परंपरा थी, या स्व - चिंतन ?

११. निरालाजी का व्यवहार अपने नैतिक- मूल्यों द्वारा अनुशासित था, या परंपराप्राप्त सामाजिक - नैतिक (   ) आचरण-संहिता पर आधारित था ?

१२. काव्य-रचना की प्रेरणा या सामान्य कार्य की प्रेरणा के समय क्या निरालाजी स्वयं को तथा अपने से संबंधित परिकर, समाज आदि को भूल जाया करते थे ?

१३. क्या निरालाजी को इस प्रकार के प्रेरणा-काल का अनुभव किन्हीं निश्चित समयों, स्थितियों, या परिस्थितियों के होने पर ही हुआ करता था ? यदि हां, तो वे समय स्थितियां, परिस्थितियां कौनसी थी ?

१४. संवेदनशीलता की दृष्टि से निरालाजी की कौनसी इन्द्रियां अधिक प्रबुध्द कही जा सकती थीं. ? कृपया संक्षेप में जानकारी दें.

१५. क्या निरालाजी में नवीन अनुभव प्राप्त करने की इच्छा रहती थी ?

१६. क्या उन्हें नवीन स्थितियों की प्राप्ति में विशेष आनंद आता था ?

१७. क्या वे जीवन की व्यावहारिक समस्याओं को चातुर्य एवं दक्षता से सुलझा लेते थे ?

१८. निरालाजी को कौन से ललित-कला -रूप अधिक प्रिय थे ?

१९. किन ललित-कला रूपों में निरालाजी ने दक्षता प्राप्त की थी ?

२०. प्राकृतिक - सौंदर्य के कौनसे रूप उन्हें पसंद थे ?

२१. सौंदर्य एवं उसके अलंकरण में से निरालाजी को क्या अधिक प्रिय था ? क्या दोनों उन्हें समान रूप से प्रिय थे ?

२२. क्या निरालाजी की जीवन-पध्दति - अपनी विचारधारा, बौध्दिक-सिध्दांतों, या भावुक आग्रहों पर निर्भर थी ?

२३. क्या निरालाजी अपने रूप,गुण, क्षमताओं आदि के विषय में उसी रूप में जागरूक थे जिस रूप में वे दूसरों के रूप, गुण, क्षमताओं आदि के विषय में जागरूक थे ?

२४. क्या निरालाजी अपने प्रति एवं समाज के प्रति अनासक्त ( ) रहा करते थे ?

२५. क्या निरालाजी निम्नलिखित बातों के प्रति सहिष्णु थे -
पर - रूप, पर - गुण, पर - धर्म, पर- विचारधारा

२६. क्या निरालाजी सामाजिक - यथार्थ ( ) से संतुष्ट थे ?

२७. क्या निरालाजी विनोदी थे ?

२८. क्या उनका विनोद अधिक बौध्दिक हुआ करता था ?

२९. क्या उनका विनोद अधिक भावात्मक हुआ करता था ?

३०. क्या निरालाजी विनोद-कृत क्रिया-कलापों के परिणामों को गंभीरतापूर्वक स्वीकार किया करते थे ?

३१. क्या निरालाजी दर्शन,धर्म और व्यावहारिकता का भेद अपने जीवन में किया करते थे ?

३२. आध्यात्मिक साधनाओं में निरालाजी की आस्था थी या नहीं ?

३३. क्या उन्होंने कभी कोई आध्यात्मिक साधना की थी ? यदि हां, तो कब, ? कहां ? किसके शिष्यत्व में ? किस मत से संबंधित ?

३४. क्या आपने निरालाजी को रहस्यानुभूतियों के क्षणों में देखा है ? यदि हाँ, तो कृपया संक्षेप में उसका वर्णन कीजिये.

३५. क्या निरालाजी अपने जीवन में किन्हीं आर्थिक, सामाजिक, एवं आध्यात्मिक साध्यों के प्रति कभी आसक्त रहे थे ?

३६. क्या कर्म-रत निराला प्रसन्न मुद्रा में रहा करते थे ?

३७. क्या फल-प्राप्ति के काल में निरालाजी आत्म-विभोर जैसी स्थिति में रहा करते थे ?

३८. क्या वे अच्छे उद्देश्य के हेतु बुरा माध्यम अपना सकते थे ? अर्थात क्या वे साधन को साध्य की अपेक्षा गौण महत्व दे ते थे ?

३९. क्या निरालाजी बड़ी व्यक्तिगत समस्याओं के साथ निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं के प्रति भी उतनी ही एकाग्रता, एवं दक्षता का परिचय देते थे ?

पारिवारिक, --- सामाजिक, --- राष्ट्रीय, ---- अंतराष्ट्रीय.

४०. निरालाजी ने किस अवस्था में, किस मात्रामें काव्य-सृजनशीलता का परिचय दिया

० - ६.	६ -१४,	१४-२२ ,	२२ -४६,	४६-५५ ,	५५ -
शैशवावस्था	बाल	किशोर	प्रौढ	अधेड	वृध्द

सामान्य :

अधिक :

टिप्पणी :

४१. उन्होंने प्रथम रचना किस अवस्था (आयु) में की ?

४२. क्या निरालाजी अपने अंतिम दिवसों में भी काव्य-रचना करते थे ? यदि नहीं, तो किस आयु से काव्य-रचना बंद थी ?

४३. क्या निरालाजी ने साहित्य के अतिरिक्त किसी अन्य क्षेत्र में भी सृजनशीलता का परिचय दिया था ? यदि हाँ, तो किस -क्षेत्र, किन - क्षेत्रों में ?

४४. क्या निरालाजी किन्ही विशिष्ट व्यक्तियों, वस्तुओं, परिस्थितियों के प्रति अपेक्षा कृत अधिक रूचि दिखाते थे ?

४५. जिन स्थितियों, परिस्थितियों में सामान्य जन अत्यधिक उत्तेजित हो जाया करते हैं क्या निरालाजी उन अवस्थाओं में अविचलित रह सकते थे ?

४६. क्या निरालाजी को एकांत-जीवन अपेक्षाकृत अधिक प्रिय था ? यदि हाँ, तो एकांत की अवस्था में सामान्यत: वे क्या किया करते थे ?

४७. क्या समूह में भी निरालाजी अपना पृथकत्व ( ) बनाये रखते थे ? अर्थात क्या वे समूह को भूलकर अपने आप में खो जाया करते थे ?

४८. क्या साहित्य-सर्जन करते समय उन्हें एकांत की आवश्यकता रहती थी ?

४९. क्या निरालाजी अपने वैयक्तिक संबंधों में अधिक प्रगाढ रहा करते थे ?

५०. क्या निरालाजी का व्यवहार अपरिचित व्यक्तियों के साथ भी बडा घनिष्ठ जैसा रहता था ?

५१. सभ्यता एवं सामाजिक परंपरा के विरोध में क्या निरालाजी कटूटरता का परिचय दिया करते थे ? या इनकी कतिपय सीमाएं उन्हें स्वीकृत थी ?

५२. संस्कृति एवं सभ्यता के प्रति क्या निरालाजी के व्यवहार में अनासक्ति या तटस्थ्य दृष्टिगत होता था ?

५३. स्व - मान्य सिध्दांतों के आग्रह के कारण क्या वे कभी-कभी, प्राय: सामाजिक-नैतिक (मूल्यों तथा मानदंडों की उपेक्षा किया करते थे ?

५४. क्या निरालाजी औपचारिक व्यवहार किया करते थे ? या औपचारिकता का दिखावा मात्र किया करते थे ?

नाम :

पता :

निरालाजी से संबंध :